5

TERM-1
SAMPLE PAPER
SOLVED

हिन्दी 'अ'

निर्धारित समय : 90 मिनट *अधिकतम अंक : 40*

सामान्य निर्देश : सैंपल पेपर 1 में दिये गये निर्देशानुसार।

खंड 'क'

अपठित गद्यांश एंव काव्यांश

अंक-10

1. नीचे दो अपठित गद्यांश दिए गए हैं। किसी एक गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के सही विकल्प चुनकर लिखिए—(1 × 5 = 5)

यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखें कि आप प्रश्न संख्या 1 में दिए गए गद्यांश-I पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

नैतिक शिक्षा के दो पहलू हैं—सकारात्मक एवं नकारात्मक। पहले पक्ष के अन्तर्गत आते हैं—सत्य, अहिंसा, परोपकार और करुणा। ये ही गुण परहित के कारण हैं और परहित को गोस्वामी तुलसीदास ने परम धर्म कहा है। इसके विपरीत नकारात्मक पहलू के अन्तर्गत आते हैं—काम, क्रोध, मोह, लोभ, दुर्वचन आदि। इन्हीं अवगुणों से दूसरों को पीड़ा पहुँचती है और पीड़ा को तुलसीदास ने अधर्म या पाप कहा है। यदि छात्रों को नैतिक शिक्षा दी जायेगी तो वे सन्मार्ग पर चलेंगे, अपनी आत्मा को शुद्ध बनाकर अपना और देश दोनों का हित करेंगे। इसके विपरीत आचरण करने पर छल-कपट कर, अनुशासन भंग कर स्वयं अपना जीवन भी नष्ट करेंगे और समाज में अराजकता फैलाकर देश को दुर्बल बनायेंगे। यदि विद्यार्थी जीवन से ही छात्रों को सही मार्गदर्शन मिले तो निश्चित रूप से सभ्यता और संस्कृति का बीजारोपण हो जाता है। यह वही अवस्था है जिसमें अच्छे नागरिकों का निर्माण होता है। इसलिए नैतिकता की शिक्षा हम शिक्षण संस्थाओं में पाठ्यक्रम का अंग बनाकर दे सकते हैं।

(क) परहित को गोस्वामी तुलसीदास ने क्या कहा है?
(i) परम धर्म (ii) परम सत्य
(iii) परम करुणा (iv) पर का हित

(ख) तुलसीदास ने अधर्म या पाप किसे कहा है?
(i) अहिंसा को (ii) पीड़ा को
(iii) करुणा को (iv) परोपकार को

(ग) छात्रों को नैतिक शिक्षा देने से क्या लाभ है?
(i) वे अपना जीवन नष्ट करेंगे।
(ii) वे अनुशासन भंग करेंगे।
(iii) वे सन्मार्ग पर चलेंगे।
(iv) वे कुछ नहीं करेंगे।

(घ) विद्यार्थी जीवन से ही छात्रों को सही मार्गदर्शन मिलने पर क्या होगा?
(i) वे अपने मार्ग पर चल सकते हैं।
(ii) वे नए स्थानों पर जा सकते हैं।
(iii) वे एक स्थान से दूसरे स्थान पर जा सकेंगे।
(iv) उनमें सभ्यता और संस्कृति का बीजारोपण होगा।

(ङ) नैतिक शिक्षा के कितने पहलू बताए गए हैं—
(i) एक (ii) दो
(iii) तीन (iv) चार

अथवा

यदि आप इस गद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखें कि आप प्रश्न संख्या 1 में दिए गए गद्यांश-II पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

राष्ट्रभाषा और राजभाषा के रूप में हिंदी की स्थिति समझने के लिए हमें इन दो शब्दों के अर्थों पर विचार करना पड़ेगा। सही संदर्भ में इन शब्दों का प्रयोग न होने के कारण घालमेल की स्थिति पैदा हो जाती है। आज राष्ट्रभाषा शब्द का अर्थ प्राय: दो अर्थों में मिलता है। एक, राष्ट्र की भाषा के रूप में, दूसरा, राष्ट्र की एकमात्र भाषा के रूप में। पहले अर्थ के अनुसार संविधान की आठवीं अनुसूची में पूरे भारत में बोली जाने वाली जो प्रमुख भाषाएँ गिनाई गई हैं, जिनकी संख्या अब 22 है, वे सब भाषाएँ राष्ट्रभाषा हैं, जिन्हें कुछ लोग राष्ट्रीय भाषा कहना अधिक उपयुक्त समझते हैं। दूसरे अर्थ के अनुसार, हिंदी को ही एकमात्र राष्ट्रभाषा होने का सम्मान प्राप्त है, ठीक वैसे ही जैसे एक राष्ट्र गान को, एक ध्वज को और एक संविधान को। स्वतंत्रता भारत के संविधान के लागू होने से पहले हिंदी को इसी अर्थ में राष्ट्रभाषा का दर्जा प्राप्त था।

'राजभाषा' शब्द का प्रयोग भी दो अर्थों में किया जाता रहा है। एक तो राज्य की भाषा के अर्थ में—श्री राजगोपालाचारी ने 'नेशनल-लैंग्वेज' (राष्ट्रभाषा) के समानांतर राज्यों की भाषा को उससे अलग करते हुए 'स्टेट-लैंग्वेज' के अर्थ में राजभाषा शब्द का प्रयोग किया था। दूसरा, राजकाज की भाषा के अर्थ में—सरकारी तौर पर स्वीकृत राजकाज की भाषा ही राजभाषा है। संविधान के अनुच्छेद-343 में लिखा गया है—"संघ की राजभाषा हिंदी और लिपि देवनागरी होगी।" अनुच्छेद 343 से लेकर 351 तक जहाँ-जहाँ भी राजभाषा शब्द का प्रयोग हुआ है, वहाँ उसके अनेक प्रयोजनों में एक प्रयोजन प्रशासकीय प्रयोजन बताया गया है। इसका अर्थ हुआ कि संविधान में प्रयुक्त राजभाषा शब्द का प्रयोग राजकाज की भाषा के अर्थ से कहीं अधिक व्यापक रूप में हुआ है, जिसमें राजकाज की सरकारी स्वीकृत भाषा के साथ-साथ राष्ट्रभाषा वाला अर्थ भी समाहित हो गया है।

हिंदी अपने उद्‌भव काल—लगभग दसवीं शताब्दी से ही इस अर्थ में भारत की राष्ट्रभाषा रही है कि भारत के अधिकांश लोग उसे समझते और बोलते रहे हैं। यह भारत के संतों, भक्तों, चिंतकों और विचारकों की भाषा रही है। बौद्धों, सिद्धों, नाथों, जैन मुनियों ने इसे अपनी वाणी का प्रसाद दिया है। मुगलकाल में कार्यालयी भाषा भले ही फ़ारसी रही हो और अंग्रेज़ों के शासन-काल में अंग्रेज़ी किन्तु भारत के अधिक-से-अधिक लोगों तक संदेश पहुँचाने की बात जहाँ कहीं भी उठी, हिंदी को ही उसका माध्यम चुने जाने का गौरव प्राप्त हुआ।

आज भी हिंदी भारत की बहुमत की भाषा है। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक और जैसलमेर से लेकर गुवाहाटी तक यह समझी और बोली जाती है।

(क) हिन्दी अपने उद्‌भव काल से ही भारत की राष्ट्र भाषा रही है क्योंकि—
- (i) अधिकांश लोग उसे समझते और बोलते रहे हैं।
- (ii) राज्य का काम इसमें होता रहा है।
- (iii) यह भाषा आसान है।
- (iv) यह भाषा कठिन है।

(ख) प्रस्तुत गद्यांश का उचित शीर्षक होगा—
- (i) हिंदी
- (ii) हिंदी : राष्ट्रभाषा और राजभाषा
- (iii) हिंदी : एक राष्ट्रभाषा
- (iv) राजभाषा

(ग) राजभाषा को किसकी भाषा माना गया है?
- (i) सम्मान की
- (ii) राष्ट्र की एकमात्र भाषा
- (iii) सरकारी कामकाज की भाषा
- (iv) राज की भाषा

(घ) मुगलकाल में कार्यालयी भाषा कौन-सी रही होगी?
- (i) अरबी (ii) उर्दू
- (iii) अंग्रेजी (iv) फ़ारसी

(ङ) 'राष्ट्रभाषा' शब्द में कौन-सा समास होगा?
- (i) अव्ययीभाव समास
- (ii) तत्पुरुष समास
- (iii) द्विगु समास
- (iv) कर्मधारय समास

2. नीचे दो काव्यांश दिए गए हैं। किसी एक काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और उस पर आधारित प्रश्नों के उत्तर सही विकल्प चुनकर लिखिए— (1 × 5 = 5)

यदि आप इस पद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखें कि आप प्रश्न संख्या 2 में दिए गए पद्यांश-I पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

मंदिर की दीवारें क्या कहती हैं, सुनो।
मस्जिद की दीवारों पर लिखी इबारतें क्या कहना चाहती हैं, पढ़ो।
न वे हिन्दू को बुलाती हैं, न मुसलमान को पुकारती हैं,
न उन्हें एक मज़हब से प्रेम है, न दूसरे से नफ़रत,
वे सिर्फ़ इन्सान की इंसानियत को ज़िंदा रखना चाहती हैं।

ताजमहल शाहजहाँ का बनवाया गया मक़बरा है,
या शिव का शिवालय! क्या फ़र्क़ पड़ता है?
वह एक सुंदर इमारत है।
भारत की पहचान है, हमारे देश की शान है,
दुनिया में उससे हमारा नाम है।

राम मंदिर पहले बना या बाबरी मस्जिद?
क्या फ़र्क़ पड़ता है?
हाँ, इस सवाल से पैदा होने वाले झगड़ों से,

जब उजड़ते हैं घर, अनाथ होते हैं बच्चे,
तो बहुत फ़र्क़ पड़ता है।

शर्म आती है मुझे ऐसी सोच पर,
अंतत: इंसानियत ही कुचली जाती है,
मज़हबी तलवारों की नोक पर।

(क) मन्दिर-मस्जिद के निर्माण का वास्तविक उद्देश्य पद्यांश में क्या बताया गया है?
(i) इंसानियत को जिंदा रखना बताया है।
(ii) ईश्वर को जिंदा रखना बताया है।
(iii) अल्लाह को जिंदा रखना बताया गया है।
(iv) पूजा करना

(ख) पद्यांश में 'क्या फर्क पड़ता है'- प्रश्न दोहराने के पीछे क्या उद्देश्य है?
(i) कोई उद्देश्य नहीं है।
(ii) विभिन्न धर्मों को लेकर किए गए झगड़ों का कोई लाभ नहीं।
(iii) उजड़ते घरों को देखने से कोई लाभ नहीं।
(iv) अनाथ होते बच्चों को देखकर कोई फर्क नहीं पड़ता।

(ग) कवयित्री कैसी सोच पर शर्मिंदा हैं?
(i) मंदिर-मस्जिद बनने पर
(ii) विभिन्न धर्मों पर
(iii) धर्म जाति में बंधकर छोटी सोच रखने पर
(iv) पूजा की सोच पर

(घ) हमारे देश की शान किसे बताया गया है?
(i) विभिन्न धर्मों को (ii) विभिन्न मजहबों को
(iii) ताजमहल को (iv) देश को

(ङ) मज़हबी तलवार किसे कहा गया है?
(i) मज़हब के नाम पर लड़ना-झगड़ना
(ii) मज़हब के नाम पर मिलकर रहना
(iii) दोनों विकल्प सही हैं
(iv) तलवार को

अथवा

यदि आप इस पद्यांश का चयन करते हैं तो कृपया उत्तर-पुस्तिका में लिखें कि आप प्रश्न संख्या 2 में दिए गए पद्यांश-II पर आधारित प्रश्नों के उत्तर लिख रहे हैं।

नया परत है, नई बात है
नई किरण हैं, ज्योति नई।
नई उमंगें, नई तरंगें
नई आस है, साँस नई।
युग से मुरझाए सुमनों में नई-नई मुस्कान भरो।
उठो धरा के अमर सपूतों, पुन: नया निर्माण करो॥
डाल-डाल पर बैठे विहग कुछ
नए स्वरों में गाते हैं,
गुन-गुन , गुन-गुन करते भौंरें
मस्त उधर मँडराते हैं।
नव युग की नूतन वीणा में नया राग, नव गान भरो।
उठो धरा के अमर सपूतों, पुन: नया निर्माण करो॥

(क) पद्यांश में किस नई वस्तु की ओर ध्यान आकर्षित किया गया है?
(i) नई इमारत (ii) नई पोशाक
(iii) नई ज्योति (iv) नई शिक्षा

(ख) पद्यांश में नए गीत कौन गा रहे हैं?
(i) शिक्षकगण (ii) मित्रगण
(iii) नेतागण (iv) विहग

(ग) नव युग के लिए कैसे गान की अपेक्षा की गई है?
(i) नए राग और नए गान की
(ii) नई आस और नई साँस की
(iii) नई मुस्कान की
(iv) नए निर्माण की

(घ) 'नई-नई मुस्कान भरो'- का क्या आशय है?
(i) नए नए ढंग से मुस्कुराना
(ii) नए-नए मुस्कुराने के ढंग बताना
(iii) सब में आशा के दीप जलाकर जीवन जीने की प्रेरणा देना
(iv) निराशापूर्ण जीवन जीने की प्रेरणा देना

(ङ) पद्यांश में नया निर्माण करने के लिए किसे कहा गया है ?
(i) अमर सपूतों को (ii) नेताओं को
(iii) साहित्यकारों को (iv) कवियों को

खंड 'ख'

व्यावहारिक व्याकरण

अंक-16

3. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए। (1 × 4 = 4)

(क) हम उन सब लोगों से मिले, जो आपको जानते थे। वाक्य का सरल वाक्य में रूप होगा—
(i) हम आपको जानने वाले सब लोगों से मिले।
(ii) हम उन सब लोगों से मिले जो सब आपको जानते थे।
(iii) जो सब आपको जानते थे हम उन सबसे मिले।
(iv) हम उनसे मिले क्योंकि वे आपको जानते थे।

(ख) तुम जाते हो या मैं तुम्हारी शिकायत करूँ।
(i) सरल वाक्य (ii) संयुक्त वाक्य
(iii) मिश्र वाक्य (iv) आश्रित वाक्य

(ग) 'बसंत की एक सुबह एक कोयल ने कुहू-कुहू को सुर दिया था।' वाक्य का संयुक्त वाक्य है—
(i) बसंत की एक सुबह कुहू-कुहू को सुर दिया था एक कोयल ने।
(ii) कुहू/कुहू को सुर दिया था एक कोयल ने बसंत की एक सुबह।
(iii) बसंत की एक सुबह थी और एक कोयल ने सुबह कुहू-कुहू को सुर दिया था।
(iv) कोयल ने सुर बहाया कुहू-कुहू का सुबह

(घ) 'वह लड़का गाँव गया। वहाँ वह बीमार हो गया।' वाक्य का संयुक्त वाक्य है—
(i) वह लड़का गाँव गया और बीमार हो गया।
(ii) वह लड़का बीमार था इसलिए गाँव गया।
(iii) जो लड़का बीमार था वह गाँव गया।
(iv) बीमार हो गया वह लड़का गाँव जाकर।

(ङ) रचना के आधार पर वाक्य भेद होते हैं—
(i) एक (ii) दो
(iii) चार (iv) तीन

4. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए। (1 × 4 = 4)

(क) फुरसत में मैं ख़ूब रियाज करती हूँ—वाक्य का कर्मवाच्य में रूप होगा—
(i) फुर्सत में मेरे द्वारा खूब रियाज़ किया जाता है।
(ii) मेरे द्वारा खूब रियाज़ किया जाता है फुर्सत में।
(iii) मैंने खूब रियाज़ किया फुर्सत में।
(iv) रियाज़ होता है खूब मेरे द्वारा।

(ख) गीतकारों द्वारा गीतों को सुर दिया जाता है—वाक्य का कर्तृवाच्य में रूप होगा—
(i) गीतकारों से गीतों को सुर दिया जाता है।
(ii) गीतकार गीतों को सुर देते हैं।
(iii) सुर दिया जाता है गीतकारों द्वारा गीतों को।
(iv) सुर देते हैं गीतकार गीतों को।

(ग) दो-तीन पक्षियों द्वारा अपनी-अपनी लय में एक साथ कूदा जा रहा था—वाक्य का कर्तृवाच्य में रूप होगा
(i) कूदा जा रहा था दो तीन पक्षियों द्वारा अपनी-अपनी लय में।
(ii) अपनी-अपनी लय में दो तीन पक्षियों द्वारा एक साथ कूदा जा रहा था।
(iii) दो-तीन पक्षी अपनी-अपनी लय में एक साथ कूद रहे थे।
(iv) दो-तीन पक्षियों द्वारा एक साथ कूदा जा रहा था अपनी-अपनी लय में।

(घ) उसने खाना खाया—वाक्य में प्रयुक्त वाच्य है—
(i) कर्मवाच्य (ii) भाववाच्य
(iii) कर्तृवाच्य (iv) वाच्य

(ङ) कर्मवाच्य में किसकी प्रधानता होती है ?
(i) कर्ता की (ii) कर्म की
(iii) भाव की (iv) क्रिया की

5. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए। (1 × 4 = 4)

(क) वह अपने घर गया वाक्य में रेखांकित पद का उचित पद परिचय होगा—
(i) जातिवाचक संज्ञा, पुर्ल्लिग, एकवचन, कर्म कारक।
(ii) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुर्ल्लिग, एकवचन, कर्म कारक।
(iii) भाववाचक संज्ञा, पुर्ल्लिग, एकवचन, कर्म कारक।
(iv) समूहवाचक संज्ञा, पुर्ल्लिग, एकवचन, कर्म कारक।

(ख) फागुन माह में बसंत ऋतु होती है - वाक्य में रेखांकित पद का उचित पद परिचय होगा—
(i) जातिवाचक संज्ञा, पुर्ल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक।
(ii) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुर्ल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक।
(iii) भाववाचक संज्ञा, पुर्ल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक।
(iv) समूहवाचक संज्ञा, पुर्ल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक।

(ग) घोड़ा तेज़ भागता है। वाक्य में रेखांकित पद का उचित पद परिचय होगा—
(i) स्थानवाचक क्रियाविशेषण।
(ii) परिमाणवाचक क्रियाविशेषण।
(iii) रीतिवाचक क्रियाविशेषण।
(iv) कालवाचक क्रियाविशेषण

(घ) अरे! वह इतना खुश कैसे है - वाक्य में रेखांकित पद का उचित पद परिचय होगा—
(i) संबंधबोधक अव्यय।
(ii) समुच्चयबोधक अव्यय।
(iii) क्रियाविशेषण।
(iv) विस्मयादिबोधक अव्यय।

(ङ) वह कहाँ जा रहा है?
(i) पुरुषवाचक सर्वनाम, पुर्ल्लिग,एकवचन, कर्ता कारक।
(ii) सम्बन्धवाचक सर्वनाम, पुर्ल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक।

(iii) संख्यावाचक सर्वनाम, पुर्ल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक।
(iv) निजवाचकवाचक सर्वनाम, पुर्ल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए। (1 × 4 = 4)

(क) उपयुक्त उस खल को न यद्यपि मृत्यु का भी दंड है,
पर मृत्यु से बढ़कर न जग में दंड और प्रचंड है।
अतएव कल उस नीच को रण-मध्य जो मारूँ न मैं,
तो सत्य कहता हूँ कभी शस्त्रास्त्र फिर धारूँ न मैं।
पंक्तियों में प्रयुक्त रस होगा—
(i) वीर रस (ii) करुण रस
(iii) अद्‌भुत रस (iv) वात्सल्य रस

(ख) शृंगार रस का स्थायी भाव होगा—
(i) दु:ख (ii) शोक
(iii) करुणा (iv) रति

(ग) कब द्‌वै दाँत दूध कै देखौं, कब तोतैं, मुख बचन झरैं।
कब नंदहिं बाबा कहि बोले, कब जननी कहि मोहिं ररै।
पंक्तियों में स्थायी भाव होगा—
(i) करुणा (ii) हास
(iii) वत्सल (iv) रति

(घ) रौद्र रस का आलंबन विभाव होगा—
(i) विरोधी व्यक्ति
(ii) सुरोधी व्यक्ति
(iii) जिसे क्रोध आ रहा हो
(iv) प्रेमी व्यक्ति

(ङ) वीभत्स रस का स्थायी भाव होगा—
(i) रति (ii) जुगुप्सा
(iii) निर्वेद (iv) शोक

खंड 'ग'

पाठ्य-पुस्तक

अंक-14

7. निम्नलिखित गद्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए। (1 × 5 = 5)

बालगोबिन भगत मँझोले कद के गोरे-चिट्टे आदमी थे। साठ से ऊपर के ही होंगे। बाल पक गए थे। लम्बी दाढ़ी या जटाजूट तो नहीं रखते थे, किंतु हमेशा उनका चेहरा सफेद बालों से ही जगमग किए रहता। कपड़े बिल्कुल कम पहनते। कमर में एक लंगोटी मात्र और सिर पर कबीरपंथियों की-सी कनफटी टोपी। जब जाड़ा आता, एक काली कमली, ऊपर से ओढ़े रहते। मस्तक पर हमेशा चमकता हुआ रामानंदी चंदन, जो नाक के एक छोर से ही, औरतों के टीके की तरह, शुरू होता। गले में तुलसी की जड़ों की एक बेडौल माला बाँधे रहते।

(क) गद्यांश के आधार पर भगत की उम्र क्या रही होगी?
(i) साठ से ऊपर (ii) साठ से कम
(iii) सत्तर से ऊपर (iv) सत्तर से कम

(ख) भगत के मस्तक पर हमेशा क्या चमकता रहता था?
(i) रामानंदी सोना (ii) रामानंदी चन्दन
(iii) सोने की माला (iv) राख का तिलक

(ग) भगत सिर पर क्या पहनते थे?
(i) टोपी (ii) हैट
(iii) कनफटी टोपी (iv) कैप

(घ) जाड़े में भगत क्या ओढ़े रहते?
(i) लाल कमली (ii) पीली कमली
(iii) सफ़ेद कमली (iv) काली कमली

(ङ) भगत के गले में क्या रहता था?
(i) तुलसी की बेडौल माला
(ii) सोने की बेडौल माला
(iii) चाँदी की बेडौल माला
(iv) ताँबे की बेडौल माला

8. निम्नलिखित प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए। (1 × 2 = 2)

(क) हालदार साहब किस आदत से मजबूर थे?
(i) हालदार साहब मूर्ति को देखने से मजबूर थे।
(ii) अटेंशन की मुद्रा में खड़े होने पर।
(iii) जीप में बैठने के लिए।
(iv) पान खाने की

(ख) गृहस्थ होते हुए भी भगत को साधु क्यों कहा जाता है?
(i) क्योंकि उनका व्यवहार और चरित्र साधु की तरह था।
(ii) क्योंकि वह साधु थे।
(iii) क्योंकि वह खेती करते थे।
(iv) क्योंकि वे उपवास रखते थे।

9. निम्नलिखित काव्यांश को पढ़कर पूछे गए प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए। (1 × 5 = 5)

नाथ संभुधनु भंजनिहारा।
होइहि केउ एक दास तुम्हारा॥
आयेसु काह कहिअ किन मोही।
सुनि रिसाइ बोले मुनि कोही॥
सेवकु सो जो करै सेवकाई।
अरिकरनी करि करिअ लराई॥
सुनहु राम जेहि सिवधनु तोरा।
सहसबाहु सम सो रिपु मोरा॥
सो बिलगाउ बिहाउ समाजा।
न त मारे जैहहिं सब राजा॥

(क) काव्यांश में 'नाथ' शब्द का प्रयोग किसने किसके लिए किया है ?

(i) राम ने परशुराम के लिए
(ii) लक्ष्मण ने परशुराम के लिए
(iii) परशुराम ने राम के लिए
(iv) परशुराम ने लक्ष्मण के लिए

(ख) परशुराम ने सेवक की क्या पहचान बताई है ?
(i) सेवा करने वाला सेवक होता है
(ii) शत्रुता के कार्य करने वाला शत्रु होता है
(iii) सेवक शत्रु का नाश करता है
(iv) शत्रु से लड़ाई करना आवश्यक है

(ग) शिवधनुष तोड़ने वाले ने परशुराम से किसके समान शत्रुता मोल ली है ?
(i) सहस्रबाहु के समान
(ii) शत्रु के समान
(iii) सेवक के समान
(iv) राजा के समान

(घ) परशुराम ने सभा में सभी राजाओं को क्या चेतावनी दी ?
(i) सभा से बाहर जाने की
(ii) सभा में रहने की
(iii) शत्रु को मारने की
(iv) सेवक को बचाने की

(ङ) काव्यांश की अंतिम दो पंक्तियों में प्रयुक्त रस है -
(i) करुण रस (ii) रौद्र रस
(iii) शांत रस (iv) हास्य रस

10. निम्नलिखित प्रश्नों के लिए उचित विकल्प चुनिए। **(1 × 2 = 2)**

(क) 'सुनहु देव सब धनुष समाना' पंक्ति किसने किससे कही ?
(i) राम ने परशुराम से
(ii) लक्ष्मण ने परशुराम से
(iii) परशुराम ने लक्ष्मण से
(iv) परशुराम ने राम से

(ख) गोपियों के अनुसार कृष्ण अब सरल हृदय वाले क्यों नहीं रहे ?
(i) क्योंकि उन्होंने राजनीति पढ़ ली है।
(ii) क्योंकि वे मथुरा चले गए।
(iii) क्योंकि वे गोपियों को भूल गए।
(iv) क्योंकि उन्होंने उद्धव को भेज दिया।

SOLUTION
SAMPLE PAPER - 5

खंड 'क'
अपठित गद्यांश

1. (क) *(i) परम धर्म*
(ख) *(ii) पीड़ा को।*
(ग) *(iii) वे सन्मार्ग पर चलेंगे।*
(घ) *(iv) उनमें सभ्यता और संस्कृति का बीजारोपण होगा।*
(ङ) *(ii)* दो।

अथवा

(क) *(i) अधिकांश लोग उसे समझते और बोलते रहे हैं।*
(ख) *(ii) हिंदी : राष्ट्रभाषा और राजभाषा।*
(ग) *(iii) सरकारी कामकाज की भाषा।*
(घ) *(iv) फ़ारसी।*
(ङ) *(ii) तत्पुरुष समास।*

व्याख्यात्मक हल—तत्पुरुष समास में दोनों पद कारक चिन्हों से जुड़े हुए होते हैं। 'राष्ट्रभाषा' का विग्रह करने पर 'राष्ट्र की भाषा' बनता है। ये दोनों ही पद 'की' कारक चिह्न के द्वारा जुड़े हुए हैं इसलिए यह उत्तर सही है।

2. (क) *(i) इंसानियत को जिंदा रखना बताया है।*

व्याख्यात्मक हल—मंदिर-मस्जिद की दीवारों में जो पवित्रता समायी हुई होती है, वे इन्सान का उचित मार्गदर्शन कर उसके विचारों को शुद्ध बनाते हैं।

(ख) *(ii) विभिन्न धर्मों को लेकर किए गए झगड़ों का कोई लाभ नहीं।*
(ग) *(iii) धर्म जाति में बंधकर छोटी सोच रखने पर।*
(घ) *(iii) ताजमहल को।*
(ङ) *(i) मज़हब के नाम पर लड़ना-झगड़ना।*

अथवा

(क) *(iii) नई ज्योति।*
(ख) *(iv) विहग।*
(ग) *(ii) नई आस और नई साँस की।*
(घ) *(iii) सब में आशा के दीप जलाकर जीवन जीने*

की प्रेरणा देना।

(ङ) *(i) अमर सपूतों को।*

खंड 'ख'

व्यावहारिक व्याकरण

3. (क) *(i) हम आपको जानने वाले सब लोगों से मिले।*

व्याख्यात्मक हल—सरल वाक्य में एक उद्देश्य और एक क्रिया होते हैं। अत: यही सही उत्तर है।

(ख) *(ii) संयुक्त वाक्य।*

व्याख्यात्मक हल—संयुक्त वाक्य में दो सरल वाक्य होते हैं जो अपनेआप में पूर्ण अर्थ को व्यक्त करते हैं।

(ग) *(iii) बसंत की एक सुबह थी और एक कोयल ने सुबह कुहू-कुहू को सुर दिया था।*

व्याख्यात्मक हल—संयुक्त वाक्य में दो सरल वाक्य होते हैं जो अपनेआप में पूर्ण अर्थ को व्यक्त करते हैं।

(घ) *(iii) जो लड़का बीमार था वह गाँव गया।*

(ङ) *(iv) तीन।*

4. (क) *(i) फुर्सत में मेरे द्वारा खूब रियाज़ किया जाता है।*

(ख) *(ii) गीतकार गीतों को सुर देते हैं।*

(ग) *(iii) दो-तीन पक्षी अपनी-अपनी लय में एक साथ कूद रहे थे।*

(घ) *(iii) कर्तृवाच्य।*

(ङ) *(ii) कर्म की।*

5. (क) *(i) जातिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्म कारक।*

(ख) *(ii) व्यक्तिवाचक संज्ञा, पुल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक।*

(ग) *(iii) रीतिवाचक क्रियाविशेषण।*

(घ) *(iv) विस्मयादिबोधक अव्यय।*

(ङ) *(i) पुरुषवाचक सर्वनाम, पुल्लिग, एकवचन, कर्ता कारक।*

6. (क) *(i) वीर रस।*

(ख) *(iv) रति।*

(ग) *(iii) वत्सल।*

(घ) *(i) विरोधी व्यक्ति।*

(ङ) *(i) जुगुप्सा।*

खंड 'ग'

पाठ्य-पुस्तक

7. (क) *(i) साठ से ऊपर।*

(ख) *(ii) रामानंदी चन्दन।*

(ग) *(iii) कनफटी टोपी।*

(घ) *(iv) काली कमली।*

(ङ) *(i) तुलसी की बेडौल माला।*

8. (क) *(i) हालदार साहब मूर्ति को देखने से मजबूर थे।*

(ख) *(i) क्योंकि उनका व्यवहार और चरित्र साधु की तरह था।*

9. (क) *(i) राम ने परशुराम के लिए।*

व्याख्यात्मक हल—क्रोधित परशुराम को राम ने 'नाथ' शब्द से संबोधित किया है।

(ख) *(i) सेवा करने वाला सेवक होता है।*

(ग) *(i) सहस्रबाहु के समान।*

व्याख्यात्मक हल—जिस प्रकार सहस्त्रबाहु ने परशुराम से शत्रुता मोल ली थी उसी प्रकार शिवधनुष तोड़ने वाले ने भी परशुराम से शत्रुता मोल ली है।

(घ) *(i) सभा से बाहर जाने की।*

व्याख्यात्मक हल—परशुराम ने सभा में उपस्थित सभी राजाओं को सभा से बाहर जाने की चेतावनी दी क्योंकि ऐसा न करने पर एक के धोखे में सभी राजा मारे जाते।

(ङ) *(ii) रौद्र रस*

व्याख्यात्मक हल—काव्यांश की अंतिम दो पंक्तियों में रौद्र रस है क्योंकि इसमें परशुराम का क्रोध परिलक्षित हो रहा है।

10. (क) *(ii) लक्ष्मण के परशुराम से*

व्याख्यात्मक हल—उपरोक्त पंक्ति लक्ष्मण ने परशुराम से कही क्योंकि उनकी नजरों में सभी धनुष एक समान थे।

(ख) *(iv) क्यों उन्होंने राजनीति पढ़ ली है।*

व्याख्यात्मक हल—कृष्ण ने अब राजनीति पढ़ ली है और उनमें छल-कपट आ गया है इसलिए वे अब सरल हृदय वाले नहीं रहे।